



C
—

भारत का गज़तापत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—पांच 4
PART III—Section 4

शासकीय है प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं. 49]

नई दिल्ली, शुक्रवार विसम्बर 18, 1992/अग्रहायण 27, 1914

No. 49]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 18, 1992/AGRHYAYANA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे यह असाधारण संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

केन्द्रीय संसाधन नियम

(प्रायोग संकारण का उक्तम)

प्रधिकृतना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1992

47 "उत्तरार" :—

(1) इन नियमों में स्था उत्तरार के नियम, नियम का कोई कर्मचारी न तो स्थान ही उत्तरार प्रहरण करेंगे और न अपने परिवार के किसी सदस्य को या अपनी घर से कार्रा वहे किसी प्रथ्य अधिक को कोई उत्तरार प्रहरण करेंगे को अनुमति देता।

प्रज्ञाकरण :—

"उत्तरार" पद के अर्थात् नियुक्त उत्तरार, अंतर्गत अवस्था, नियाम अवश्य अन्य सेवा या प्रथ कोई धन संबंध वा न गमिलित है औं इसे नियुक्ति संबंधी अवश्य अवक्षिप्त नियम 1992 अंतर्वारी के साथ कोई पर्याय अवश्य अवश्य न हो वा नियम 1992 अंतर्वारी वारा प्रयोग किया जाये।

टेप्पणी (1) : शाकार्थिक नाम, लिख्ट नदा अथवा नामांकित अतिथ्य ग्रहण का उत्तरार द्वीप समाज आयेगा।

टेप्पणी (2) : नियम जो कोई फर्म यांत्रो चियां अवैत, अद्यार्थक अवश्य शांगज्ञक फर्म जिसके साथ उत्तरार कोई अंगीय विनायक न हो, से अवैतक छप्पा वारन्वा एवं एवं इत्य वरन्वा से ज्ञानेत्।

ग. सा. डॉल. 91. / 14-4/सार्वी :— वेद शुक्रांकित भारतार्थात् प्रधिनियम, 1962 (1962 का 58) का धारा 42 द्वारा प्रवत् गवितीयों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार का पूर्ण स्वोकृति से केंद्रीय अडारण नियम उत्तराराय नेत्राय भारतीय नियम (कर्मचारीगण) नियम, 1986 में संशोधन कर नियमसंस्कृत विनियम बनाया है, अर्थात्—

(1) इन नियमों का केंद्रीय भारतीय नियम (कर्मचारीगण) (अंतर्वारी विनियम, 1992 वहा जायेगा।

(2) वे राजपत्रमें प्रकाशित होने का नामांक से नामू करें।

४. केंद्रीय नामांक नियम (कर्मचारी) विनियम, 1986 के विनियम 17 के स्थान पर 1 नवम्बर विनियम प्रांतमालिन किया जायेगा, अद्यार्थ—

(ii) विदाह, बरसे, अन्तेश्वरि अथवा भारिक समारोहों जैसे अवसरों पर जबकि उद्घार देना ग्रन्तित आमिक या सामाजिक प्रथा के अनुसार हो, नियम का कर्मचारी अपने निकट संबंधियों से उपहार ग्रहण कर सकेगा किन्तु यदि उद्घार का मूल्य निम्नलिखित से अधिक है तो उसको सूचना सक्षम प्राधिकारी को देना।

(क) समूह "क" अथवा "ख" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 1000 रुपये।

(ख) समूह "ग" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 500 रुपये।

(ग) समूह "घ" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 200 रुपये।

(iii) उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट किसी अवसर पर नियम का कोई कर्मचारी अपने निजी मिलों से उद्घार ग्रहण कर सकेगा जिसके साथ उसका कोई पदीय संबंध न हो किन्तु यदि किसी ऐसे उद्घार का मूल्य निम्नलिखित से अधिक है तो उसको सूचना सक्षम प्राधिकारी को देना:—

(क) समूह "क" अथवा "ख" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 400 रुपये।

(ख) समूह "ग" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 200 रु।

(ग) समूह "घ" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 100 रु।

(iv) किसी अन्य दशा में यदि उद्घार का मूल्य निम्नलिखित से अधिक होता तो नियम का कोई कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी को स्वीकृति के बिना उद्घार ग्रहण नहीं करेंगा।

(क) नमूद "क" वा नमूद "ख" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 150 रुपये।

(ख) नमूद "ग" अथवा "घ" के किसी पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी के मामले में 50 रुपये।

(v) उपनियम (i), (ii), (iii) तथा (iv) में किसी वात के हाते हुए नियम का कर्मचारी भारतीय प्रतिनिधिमण्डल के सदस्य के रूप में अथवा अथवा किसी विदेशी गवान्य व्यक्ति से उद्घार प्राप्त कर सकता है तथा उन्हें रखा सकता है बशर्ते किसी एक अवसर पर प्राप्त किए जाने उद्घारों का बाजार मूल्य 1000 रुपये से अधिक न हो। अन्य गयी मामलों में ऐसे सभी उद्घार स्वेचार करने लाया उन्हें रखने पर भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेश लागू होंगे।

(vi) नियम का कोई कर्मचारी किसी ऐसी विदेशी कर्म, जिसने भारत सरकार के साथ ठेका किया हुआ है अथवा जिसके साथ नियम के कर्मचारी के पदीय संबंध रहे थे/रहे हैं अथवा जिसके साथ पदीय संबंध होने को संभवना है से कोई उपहार प्राप्त नहीं करेगा। कर्मचारी द्वारा किसी अन्य कर्म से उपहारों को स्वीकृति पर उपनियम (4) के प्रावधान लागू होंगे।

बो.बो. पटनायक, प्रबन्धक (कार्मिक)

ठिप्पणी:—

मूल्य विनियम सं. सो. डब्ल्यू. सो. /14-4/स्थापना दिनांक 28-2-1986 द्वारा अधिसूचित किये गये तथा बाद में निम्न संशोधित किये गये:—

1. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 स्थापना दिनांक 1-4-1987
2. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 स्थापना दिनांक 19-6-1987
3. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 स्थापना दिनांक 19-6-1987
4. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 स्थापना दिनांक 29-1-1988
5. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 स्थापना दिनांक 24-6-1988
6. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 9-6-1989
7. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 24-11-1989
8. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 15-10-1990
9. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 26-10-1990
10. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 30-11-1990
11. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 21-12-1990
12. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 8-2-1991
13. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 17-5-1991
14. सो. डब्ल्यू. सो. 14-4 भर्ती दिनांक 4-10-1991

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION

(A Govt. of India Undertaking)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December, 1992

No. CWC/XIV-4/Rectt.—In exercise of powers conferred by Section-42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Central Warehousing Corporation (Staff) (Fifteenth Amendment) Regulations, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1986, for regulation 47, the following regulation shall be substituted, namely :—

47. "GIFTS":—

(i) Save as provided in these Regulations, no employee of the Corporation shall accept or permit any member of his family or any other person acting on his behalf to accept any gift.

Explanation:—The Expression 'gift' shall include free transport, boarding, lodging or other service or any other pecuniary advantage when provided by any person other than a near relative or a personal friend having no official dealings with the employee.

Note (1) : A casual meal, lift or other social hospitality shall not be a gift.

Note (2) : An employee of the Corporation shall avoid accepting lavish or frequent hospitality from

any individual, industrial or commercial firms, organisations, etc. having official dealings with him

(ii) On occasions such as weddings, anniversaries, funerals or religious functions when the making of gifts is in conformity with the prevailing religious or social practices, an employee of the Corporation may accept gifts from his near relatives but he shall make a report to the competent authority, if value of any such gifts exceeds:—

- (a) Rs. 1000 in the case of an employee holding any Group 'A' or 'B' posts;
 - (b) Rs. 500 in the case of an employee holding any Group 'C' posts; and
 - (c) Rs. 200 in the case of an employee holding any Group 'D' posts,
- (iii) On such occasions as are specified in sub-Regulation (ii) an employee of the Corporation may accept gifts from his personal friends having no official dealings with him, but he shall make a report to the competent authority, if the value of any such gift exceeds:—
- (a) Rs. 400 in the case of an employee holding any Group 'A' or 'B' posts;
 - (b) Rs. 200 in the case of an employee holding any Group 'C' posts; and
 - (c) Rs. 100 in the case of an employee holding any Group 'D' posts.
- (iv) In any other case, an employee of the Corporation shall not accept any gift without the sanction of the competent authority, if the value of the gift exceeds:—
- (a) Rs. 150 in the case of an employee holding any Group 'A' or 'B' posts, and
 - (b) Rs. 50 in the case of an employee holding any Group 'C' or 'D' posts.

(v) Notwithstanding anything contained in sub-regulations (ii), (iii) and (iv), a Corporation's employee being a member of Indian Delegation or otherwise, may receive and retain gifts from foreign dignitaries, if the market value of gifts received on one occasion does not exceed Rs. 1000. In all other cases, the acceptance and retention of such gifts shall be regulated by the instructions issued by the Government of India in this regard from time to time.

(vi) A Corporation's employee shall not accept any gift from any foreign firm which is either contracting with the Government of India or is one with which the Corporation employee has/had or is likely to have official dealings. Acceptance of gifts by an employee from any other firm shall be subject to the provisions of sub-regulation (iv).

B. B. PATTANAIK, Personnel Manager

Note :—

The principal Regulations were notified vide No. CWC|XIV-4|Estt. dated 28-2-1986 and subsequently amended vide Nos :—

1. CWC|XIV-4|Est. dated 1-4-1987.
2. CWC|XIV-4|Estt. dated 19-6-1987.
3. CWC|XIV-4|Estt. dated 19-6-1987.
4. CWC|XIV-4|Estt. dated 29-1-1988.
5. CWC|XIV-4|Estt. dated 24-6-1988.
6. CWC|XIV-4|Rectt. dated 9-6-1989.
7. CWC|XIV-4|Rectt. dated 24-11-1989.
8. CWC|XIV-4|Rectt. dated 15-10-1990.
9. CWC|XIV-4|Rectt. dated 26-10-1990.
10. CWC|XIV-4|Rectt. dated 30-11-1990.
11. CWC|XIV-4|Rectt. dated 21-12-1990.
12. CWC|XIV-4|Rectt. dated 8-2-1991.
13. CWC|XIV-4|Rectt. dated 17-5-1991.
14. CWC|XIV-4|Rectt. dated 4-10-1991.

